2 वर्ण-विचार

पाठ-योजना

पाठ का उद्देश्य

- हिंदी वर्णमाला व वर्णों के भेदों को समझाना।
- मात्रा-चिह्नों के प्रयोग को समझाना।
- आगत ध्वनियों व वर्णों को समझाना।
- संयुक्त व्यंजनों को समझाना।
- वर्ण-विच्छेद को समझाना।
- अनुस्वार व अनुनासिक के सटीक प्रयोग को समझाना।
- ‘र’ के विभिन्न रूपों को समझाना।
- विसर्ग की जानकारी दना तथा वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के बारे में बताना।

सहायक सामग्री

- स्मार्ट बोर्ड, मोबाइल फ़ोन, पाठ्यपुस्तक, पाठ्यपुस्तक में दिया QR Code, शैक्षिक सामग्री।

पूर्व-ज्ञान

- हिंदी भाषा में कितने स्वर हैं?
- हिंदी भाषा में कितने व्यंजन हैं?
- हिंदी भाषा में कितनी मात्राएँ हैं?
- एक वर्ण पर एक साथ कितनी मात्राएँ आती हैं?

प्रमुख बिंदु

- प्रश्न पूछकर पाठ की रूपरेखा तैयार करना।
- QR Code स्कैन कर वीडियो दिखाना।
- बताना—
  - हिंदी में 11 स्वर व 10 मात्राएँ हैं।
  - ‘स्वर’ व ‘व्यंजन’ वर्णों को मिलाकर वर्णमाला बनती है।
  - एक वर्ण पर एक समय में एक ही मात्रा प्रयुक्त होती है।
  - अनुनासिक को ‘चंद्रबिंदु’ भी कहते हैं। यह वास्तव में स्वर है। अनुस्वार को ‘बिंदु’ भी कहते हैं। यह वास्तव में व्यंजन है।
  - ‘क्ष’, ‘त्र’, ‘ज्ञ’ तथा ‘श्र’ संयुक्त व्यंजन हैं, जो दो वर्णों के योग से रूप बदलकर बने हैं।
  - विसर्ग भी एक व्यंजन है।
  - शब्द की रचना जिन वर्णों से हुई है, उन वर्णों को अलग-अलग करना ‘वर्ण-विच्छेद’ कहलाता है।
  - ‘र’ अन्य व्यंजनों के साथ ‘र’, ‘र्’ तथा ‘्र’ के रूप में लगाया जाता है।
- ‘हमने सीखा’ के माध्यम से मूल बिंदुओं की पुनरावृत्ति।